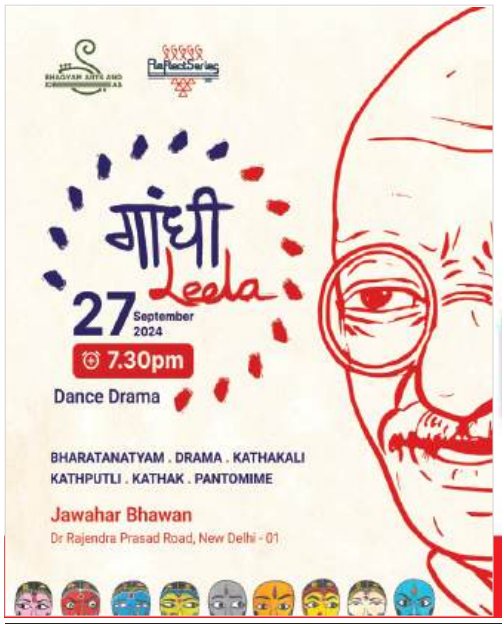

सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 209 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 5 सितम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

शिक्षा का परिणाम एक मुक्त रचनात्मक व्यक्ति होना चाहिए, जो ऐसिहासिक परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के विरुद्ध लड़ सके।

-डॉ. सर्वपी राधाकृष्णन

पैरालंपियनों की झोली में गिर... 7 | सरकार पर तीखा प्रहार जारी... 3 | भाजपा की अंदरुनी वजहों... 2

सुल्तानपुर में पुलिस एनकाउंटर पर घिर गई योगी सरकार

सपा ने भाजपा पर किया तीखा प्रहार

» जात देखकर मारी जाती है गोली - अखिलेश यादव

» पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया नकली मुठभेड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बोले सपा प्रमुख- डकैतों का सत्ता पक्ष का गहरा संपर्क था, तभी 'मुख्य आरोपी' से सरेंडर कराया गया

लखनऊ। यूपी की सियासत आज-कल गरमाई हुई है। सीएम योगी और सपा मुखिया, पूर्व सीएम अखिलेश यादव में एक दूसरे पर प्रहार करना जारी है। डीएनए, भेड़िया, बुलडोजर के बाद अब एनकाउंटर पर सपा ने योगी सरकार को घेर लिया है। पूर्व सीएम ने कहा ये सारे एनकांउटर नकली है और जात देखकर किए जा रहे हैं। उधर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा अपराधियों के समर्थन पर उतर रही है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुल्तानपुर में डकैती के आरोपी मंगेश यादव के पुलिस एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं। इस एनकाउंटर में मंगेश की मौत हो गई। जिस पर सपा अध्यक्ष ने निशाना साधते हुए इसे नकली एनकाउंटर बताया।

उन्होंने कहा कि क्योंकि डकैती में शामिल लोगों को सत्ता पक्ष से संबंध इसलिए उसका नकली एनकाउंटर हुआ और जात देखकर उसकी जान ले ली। सपा अध्यक्ष ने एक्स पर लिखा- लगता है सुल्तानपुर की डकैती में शामिल लोगों से सत्ता पक्ष का गहरा संपर्क था, इसीलिए तो नक़ली एनकाउंटर से पहले 'मुख्य आरोपी' से संपर्क साधकर सरेंडर करा दिया गया और अन्य सपक्षीय लोगों के पैरों पर सिर्फ़ दिखावटी गोली मारी गयी और 'जात' देखकर जान ली गयी।

समस्या का समाधान असली कानून व्यवस्था से होगा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुल्तानपुर में सराफा व्यापारी के यहां हुई दिनदहाड़े डकैती के आरोपी बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ पर कहा कि समस्या का समाधान असली कानून व्यवस्था है नकली एनकाउंटर नहीं। नकली एनकाउंटर रक्षक को भक्षक बना देते हैं। समाधान नकली एनकाउंटर नहीं, असली कानून-व्यवस्था है। भाजपा राज अपराधियों का अमृतकाल है। जब तक जनता का दबाव व आक्रोश चरम सीमा पर नहीं पहुंच जाता है, तब तक लूट में हिस्सेदारी का काम चलता रहता है और जब लगता है जनता घेर लेगी तो नकली एनकाउंटर का ऊपरी मरहम लगाने का दिखावा होता है। जनता सब समझती है कि कैसे कुछ लोगों को बचाया जाता है और कैसे लोगों को फंसाया जाता है। घोर निंदनीय है।

लूट का सारा माल भी पूरा वापस हो

अखिलेश कहा आगे लिखा- जब मुख्य आरोपी ने सरेंडर कर दिया है तो लूट का सारा माल भी पूरा वापस होना चाहिए और सरकार को मुआवजा अलग से देना चाहिए क्योंकि ऐसी घटनाओं का जो मानसिक आघात होता है उससे उबरने में बहुत समय लगता है, जिससे व्यापार की हानि होती है, जिसकी क्षतिपूर्ति सरकार करे।

सुल्तानपुर डकैती कांड का आरोपी एसटीएफ से मुठभेड़ में मारा गया

पिछली 28 अगस्त को हथियारबंद बदमाशों ने करीब एक करोड़ 50 लाख रुपये के जेवरात लूट लिए थे। इस मामले में तीन आरोपियों सचिन, पुष्पेंद्र और त्रिभुवन को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में पिछले महीने एक सर्राफा व्यवसायी की दुकान में डकैती के मामले में आरोपी बदमाश मंगेश यादव बृहस्पतिवार तड़के राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 28 अगस्त को शहर कोतवाली क्षेत्र के ठठेरी बाजार स्थित एक सर्राफा व्यवसायी की दुकान से करीब डेढ़ करोड़ रुपये के जेवरात लूटे जाने के मामले में एक आरोपी मंगेश यादव आज तड़के करीब साढ़े तीन बजे मिशिरपुर पुरैना गांव में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मारा गया। उन्होंने बताया कि आरोपी बदमाश पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई सीबीआई को फटकार

» कहा- मामले में दखल देना है या नहीं, ये हम तय करेंगे

» केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। दिल्ली शराब नीति घोटाले में जेल में बंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ दिल्ली सीएम की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही है।

सुप्रीमकोर्ट ने कहा ये हम तय करेंगे की क्या इस मामले मैं दखल देना है या नही।

सिंघवी के अनुसार, एक बार सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए जमानत पर रिहा किया था और एक बार ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी केजरीवाल को जमानत मिल चुकी है। केजरीवाल एक संवैधानिक पद पर हैं और समाज के लिए खतरा नहीं हैं।

दरअसल अरविंद केजरीवाल ने दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं, जिन पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। एक याचिका में केजरीवाल ने सीबीआई द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। वहीं दूसरी याचिका में केजरीवाल ने जमानत देने की अपील की है।

एफआईआर में केजरीवाल का नाम नहीं : सिंघवी

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी, केजरीवाल का पक्ष रख रहे हैं। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि सीबीआई ने आबकारी नीति मामले में जो एफआईआर दर्ज की है, उसमें केजरीवाल का नाम नहीं है। साथ ही केजरीवाल को बीते दिनों अंतरिम जमानत देते हुए भी सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली सीएम समाज के लिए खतरा नहीं हैं। सिंघवी ने ये भी कहा कि दो बार सुप्रीम कोर्ट और एक बार ट्रायल कोर्ट केजरीवाल को जमानत पर रिहा करने का आदेश दे चुका है।

केजरीवाल को जमानत के लिए पहले ट्रायल कोर्ट जाना चाहिए : एसवी राजू

सिंघवी की दलीलों पर सीबीआई का पक्ष रख रहे एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि पहली आपत्ति तो ये है कि केजरीवाल को जमानत के लिए पहले ट्रायल कोर्ट जाना चाहिए न कि सीधे सुप्रीम कोर्ट में अपील करनी चाहिए। राजू ने कहा कि ऐसा लगता है कि केजरीवाल कोई खास व्यक्ति हैं, जिनके लिए अलग तरीका अपनाया जा रहा है।

हाईकोर्ट को इस मामले में तुरंत ही निर्णय ले लेना चाहिए था : जस्टिस सूर्यकांत

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आदर्श रूप से तो हाईकोर्ट को इस मामले में तुरंत ही निर्णय ले लेना चाहिए था। हाई कोर्ट को उसी दिन आदेश पारित कर देना चाहिए था जिस दिन नोटिस जारी किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये हम तय करेंगे की क्या इस मामले मैं दखल देना है या नही। दरअसल सीबीआई ने कहा कि अरविंद ने जमानत याचिका निचली अदालत में दाखिल न कर के सीधे हाई कोर्ट में दाखिल की थी।

भाजपा की अंदरुनी वजहों से बढ़ा सीएम का बीपी : अखिलेश यादव

बोले- लोस चुनाव परिणाम के बाद सीएम न खुद सो रहे हैं और न ही अधिकारियों को सोने दे रहे हैं

» सीएम योगी और सपा प्रमुख के बीच हुई बयानों की जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे उपचुनावों की सुगबुगाहट यूपी में आने लगी है सत्ता में बैठी भाजपा व विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी सपा में एक-दूसरे पर वार-पलटवार आक्रामक होता जा रहा है। डीएनए, बुलडोजर के बाद अभी भेड़िये को लेकर सियासत गरमा गई है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने यूपी के सीएम व भाजपा नेता योगी पर जमकर हमला बोला है।

पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा की अंदरुनी वजहों से सीएम का बीपी बढ़ गया है, इसके लिए बेहतर होगा सीएम दिल्ली चले जाएं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद सीएम न खुद सो रहे हैं और न ही अधिकारियों को सोने दे रहे हैं। दरअसल सपा नेताअखिलेश ने 2017 से पहले यूपी में भेड़ियों के अभी की तरह उत्पात मचाने संबंधी तंज पर कहा कि उस समय लूट थी तो क्या सीएम भी उसमें शामिल थे। उस समय अफसरों ने जिन भर्तियों की प्रक्रिया पूरी की, वे भी उनके आसपास हैं। सपा नेता ने योगी के बहराइच के भेड़िए की तुलना 2017 के पहले यूपी में चल रही प्रदेश की सरकार से की इस पर उन्होंने पलटवार किया।

बुलडोजर में दिमाग नहीं होता, जनता स्टीयरिंग कभी भी बदल सकती है

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बुलडोजर में दिमाग नहीं होता, सिर्फ स्टीयरिंग होता है। जनता या दिल्ली वाले यह स्टीयरिंग कभी भी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया है कि बुलडोजर नहीं चला सकते। यह असंवैधानिक है। उन्होंने सवाल दागा कि क्या सीएम आवास का नक्शा पास है। अगर पास है तो यह बताया जाए कि कब पास हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार के अहंकार ने अकबरनगर में तो बुलडोजर चलवा दिया, पर उससे आगे रुक गए। क्या कोर्ट का आदेश आने के बाद अब तक चलाए बुलडोजर के लिए माफी मांगेंगे।

बुलडोजर नाइंसाफी का प्रतीक

उन्होंने कहा कि लखनऊ के जिस अवैध होटल में आग लगने से लोगों की जानें गईं, उस पर घोषणा के बावजूद बुलडोजर क्यों नहीं चला। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बुलडोजर नाइंसाफी का प्रतीक है।

हिमाचल में जनता की नहीं मित्रों की सरकार : अनुराग

» बोले- कांग्रेस सरकार की ओर से राजनीतिक नियुक्तियां लगातार जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश ने ऐसे दिन पहले कभी नहीं देखे। प्रदेश में जनता की बजाय मित्रों की सरकार है। चार तारीख होने पर भी कर्मचारी को तनख्वाह न मिली। साढ़े तीन लाख से ज्यादा कर्मचारी के खाते में वेतन और पेंशन नहीं आया है।

यह बात सांसद अनुराग ठाकुर ने समीरपुर में पत्रकारों के सवालों के जवाब में कही। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नियुक्तियां वालों का वेतन तीस हजार से सीधा एक लाख तीस हजार किया जा रहा है। कांग्रेस सरकार की ओर से राजनीतिक नियुक्तियां लगातार जारी हैं। कर्मचारी और पेंशनर इंतजार कर रहे हैं लेकिन राजनीतिक नियुक्तियों वाले को गाड़ी, बंगला तमाम सुविधाएं दी जा रही हैं। इन सुविधाओं के लिए सरकार के पास पैसा है लेकिन कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए नहीं है। विकास और गरीब कल्याण के नाम पर प्रदेश सरकार के पास पैसा नहीं है आखिर यह कैसी सरकार है।

आप से गठबंधन बीजेपी को कोई नुकसान नहीं

उन्होंने हरियाणा चुनाव से कांग्रेस व आम आदमी पार्टी गठबंधन को लेकर कहा कि देश में बाकी जगहों भी कांग्रेस गठबंधन हारा है। हरियाणा में भी गठबंधन होने पर बुरी तरह कांग्रेस हारेगी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठबंधन से कोई भी हानि नहीं है।

कोरोना महामारी के दौरान दी गई खराब वैक्सीन : सोरेन

» झारखंड के मुख्यमंत्री ने भाजपा पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि कोविड-19 के दौरान दिए गए खराब टीकों के कारण लोगों की अब भी मौत हो रही है। उन्होंने कहा कि एक विशेष टीके की भारत में अभी भी आपूर्ति की जा रही है, जो दुनियाभर में प्रतिबंधित है और इसे लोगों को दिया जा रहा है।

सोरेन का यह बयान राज्य में हाल ही में आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान के दौरान 12 लोगों की मौत के बाद आया। सरकार ने सोमवार को इस भर्ती पर तीन दिन के लिए रोक लगा दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा, भर्ती अभियान के दौरान दुर्भाग्य से कुछ अभ्यर्थियों की मौत हो गई। ये मौतें केवल दौड़ने के कारण नहीं हो रही हैं, बल्कि लोग चलने के दौरान भी मर रहे हैं। यह सभी को पता है कि कोरोना महामारी के दौरान भाजपा सरकार की ओर दिए गए टीके खराब थे और इसका वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ा था। वहीं उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा का नाम लिए बगैर कहा, ऐसा लगता है कि असम के एक नेता ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने में डिग्री हासिल कर रखी है। वह हिंदू-मुस्लिम की बात करते हैं या सरकार को तोड़ने की कोशिश करते हैं।

बीजेपी मेरी सरकार को अस्थिर करने की साजिश कर रही

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी उनकी सरकार को

अस्थिर करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा, जब हमारी सरकार 2019 में सत्ता में आई, तो भगवा पार्टी ने सरकार को अस्थिर करने की साजिश की। जब वे सफल नहीं हुए, तो केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करके मुझे जेल में डालने की कोशिश की। लेकिन सत्य की जीत हुई और मैं यहां आपके सामने हूं।

बुलडोजर राजनीति छोड़कर जंगली जानवरों से निपटने की रणनीति बनाए सरकार : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर को मथेंगी बसपा प्रमुख

जम्मू। बसपा सुप्रीमो मायावती अगले सप्ताह जम्मू दौरे पर आ सकती हैं। दौरे को लेकर उच्च स्तरीय बैठक होने जा रही है। इसमें जम्मू दौरे की तिथि तय होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मायावती चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगी। जीत के लिए टिप्स और आगामी रणनीति भी बताएंगी। बसपा प्रदेश अध्यक्ष दर्शन राणा ने कहा कि इसके लिए जल्द ही बैठक होगी। अगले सप्ताह पार्टी सुप्रीमो के आने की संभावना है। बसपा जम्मू-कश्मीर में 1996, 2002 के विधानसभा चुनाव में खाता खोल चुकी है। 2008 में बसपा को हार का सामना करना पड़ा है। 1996 में चार विधायक जीते थे। 2002 में भी एक सीट पार्टी जीत चुकी है। इस बार जम्मू, सांबा और कठुआ के अलावा उधमपुर सीटों पर फोकस है। पार्टी ने कार्यकर्ताओं को प्रमुख सीटों पर जीत के लिए जीतोड़ मेहनत करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव के लिए पार्टी बैठकों का दौर शुरू है। बसपा अकेले चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस, नेकां, भाजपा और पीडीपी को पार्टी सीधी टक्कर देगी। कुछ सीटों पर बसपा का जनाधार है।

बोलीं- मजदूर और गरीब लोग संकट में

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश सरकार को सलाह दी कि वह बुलडोजर राजनीति छोड़कर जंगली जानवरों से निपटने की रणनीति बनाए। मजदूर और गरीब लोग जंगली जानवरों के हमलों के डर की वजह से अपने पशुओं के चारे का प्रबन्ध तथा मजदूरी भी नहीं कर पा रहे हैं। उनके लिए उचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा, साथ ही सरकार जंगली जानवरों से निपटने की भी रणनीति बनाये।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, उप्र के कुछ जिलों में जंगली जानवर बच्चों, बुजुर्गों, नौजवानों आदि पर हमला कर रहे है। उसे रोकने के लिए सरकार जरुरी कदम उठाये। मजदूर और गरीब लोग जंगली जानवरों के हमलों के डर की वजह से अपने पशुओं के चारे का प्रबन्ध तथा मजदूरी भी नहीं कर पा रहे हैं। उनके लिए उचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा, साथ ही सरकार जंगली जानवरों से निपटने की भी रणनीति बनाये। मायावती ने बस्ती जिले में एक निजी एम्बुलेंस चालक द्वारा एक मरीज की पत्नी से दुष्कर्म की कोशिश की घटना का जिक्र करते हुए कहा, बस्ती जिले में निजी एम्बुलेंस चालक ने एक मरीज को ले जाते समय, उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ व दुष्कर्म करने की कोशिश की। यह अत्यंत शर्मनाक है। पीड़िता के पति की मृत्यु हो गई है।

कर्नाटक सरकार ने बैंकों से जुड़ा निर्देश वापस लिया

» एसबीआई व पीएनबी पर सरकारी धन का दुरुपयोग करने का लगाया था आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार ने अपना एक विवादास्पद निर्देश वापस लेने की घोषणा की है। सरकार की ओर से एक परिपत्र जारी कर राज्य के विभागों को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ कारोबार करने से परहेज करने का निर्देश दिया गया था।

दरअसल कर्नाटक के विभिन्न बोर्ड और निगम के सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप एसबीआई और पीएनबी पर लगा था। सरकार के अनुसार कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड ने नवंबर 2012 में पीएनबी की राजाजी नगर शाखा में 25 करोड़ रुपये जमा किए थे। जमा अवधि की परिपक्वता के बाद बैंक ने केवल 13 करोड़ रुपये वापस किए। जबकि 12 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया गया। अब सरकार ने यह निर्देश वापस ले लिया है। इससे पहले कर्नाटक सरकार ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में कोई भी सरकारी धन जमा न करने का फैसला लिया था। राज्य के वित्त विभाग ने सभी सरकारी विभागों, उद्यमों, बोर्ड और निगम को इन बैंकों में संचालित खातों को बंद करने और जमा राशि को निकालने के निर्देश दिए थे।

सरकार पर तीखा प्रहार जारी रखेगा विपक्ष

कई मुद्दों पर कांग्रेस ने मोदी सरकार को झुकाया

- भाजपा को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ेंगे
- कई मुद्दों पर पीछे हटी भाजपा
- महाराष्ट्र, हरियाणा झारखंड और जम्मू-कश्मीर विस के चुनाव बेहद अहम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम चुनाव के बाद विपक्ष में नई ताकत आ गई है और वे केंद्र की एनडीए सरकार और भाजपा पर दबाव बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। संसद से लेकर सड़क तक, कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल पूरे जोरदार तरीके से मुद्दे उठा रहे हैं। नीट परीक्षा और जाति जनगणना जैसे मुद्दों पर विपक्ष सरकार को घेरने में कामयाब भी हुआ है। इसमें विपक्ष को बीजेपी के कुछ सहयोगी दलों का भी साथ मिला है। लोक सभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद देश की राजनीति भी तेजी से बदली है। अनुमानों के इतर लोकसभा चुनाव में बीजेपी लगातार तीसरी बार अकेले दम बहुमत पाने के लक्ष्य से दूर रही और एक बार फिर सही अर्थों में गठबंधन की सरकार का दौर शुरू हुआ। तब से केंद्र सरकार के भीतर एक के बाद कुछ ऐसे घटनाक्र म हुए, जिससे गठबंधन सरकार की मजबूरी की बात सामने आई।

उदाहरण के लिए, लैटरल एंट्री पर यूटर्न को ले लीजिए, या फिर वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में भेजे जाने की बात या पेंशन का मामला। इसी तरह से बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश का खास ख्याल रखा गया। इन सब घटनाओं पर विपक्ष का यही कहना था कि यह बीजेपी को बहुमत से कम, 240 लोकसभा सीटें मिलने का असर है। वहीं, बीजेपी इसे रणनीति और सबको साथ लेकर चलने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति बता रही है। जानकारों के अनुसार, गठबंधन सरकार की स्वाभाविक मजबूरी होती है, लेकिन अभी तुरंत किसी राय को अंतिम मान लेना जल्दबाजी है।

आम चुनाव परिणाम से उत्साहित विपक्ष, केंद्र सरकार और बीजेपी पर दबाव बनाने का एक भी मौका नहीं छोड़ना चाहता। संसद से लेकर इसके बाहर तक, कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दलों में नई ऊर्जा दिखी। नीट का मुद्दा हो या जाति जनगणना, विपक्ष कहीं न कहीं सरकार पर दबाव बनाने में सफल रहा। इसमें बहुत हद तक उसे परोक्ष रूप से बीजेपी के सहयोगी दलों का भी साथ मिल गया। मसलन वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को जेपीसी में भेजने की मांग एनडीए के घटक दल टीडीपी ने की। इसी तरह से, लैटरल एंट्री को लेकर विरोध के सुर नीतीश कुमार की पार्टी जदयू और चिराग पासवान की ओर से उठे।

बीजेपी बोली-हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं

बीजेपी इस सियासी चर्चा को अधिक तूल नहीं देना चाहती। पार्टी का दावा है कि किसी मुद्दे पर न तो मोदी सरकार का स्टैंड बदला है और न ही काम करने के तरीके में बदलाव आया है। पार्टी नेताओं के मुताबिक, पहले भी मोदी सरकार सहमति जुटाने की कोशिश करती थी। वे मिसाल देते हैं कि किस तरह किसान बिल को पूर्ण बहुमत की सरकार में वापस लिया गया और सीएए पर भी सहमति बनाने की कोशिश हुई, जबकि बीजेपी अकेले दम 300 सीटों के

पार थी। जब भी जरूरत हुई, सरकार ने तमाम पक्षों को सुनकर हमेशा बदलाव का रुख दिखाया। बीजेपी नेता 2015 में जमीन अधिग्रहण बिल को वापस लेने और जीएसटी में कई संशोधन करने जैसे फैसले भी दिखाते हैं।

अभी और आक्रामक होगा विपक्ष

विपक्ष से जुड़े एक नेता का कहना है कि पिछले कुछ बरसों में पहली बार बीजेपी दबाव में दिख रही है। ऐसे में अगर अब उन्होंने दबाव कम किया तो बीजेपी फिर वापसी कर सकती है। जाहिर है, विपक्ष हमलावर बना रहेगा। हालांकि उसे पता है कि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्र सरकार और बीजेपी काउंटर अटैक करेगी। ऐसे में महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव बेहद अहम हो जाते हैं। विपक्ष जानता है कि अगर इन राज्यों में परिणाम उसके पक्ष में आए तो बीजेपी पर दबाव बनाना और आसान हो जाएगा। लेकिन, अगर बीजेपी का प्रदर्शन बेहतर रहा, तो फिर विपक्ष के लिए आगे की राह बहुत मुश्किल भरी हो जाएगी। यही वजह है कि विपक्ष इन चुनावों पर बहुत ध्यान दे रहा है।

बीजेपी को हर हाल में रोकने की कवायद

बीजेपी को विपक्ष कोई मौका नहीं देना चाहता। यही कारण है कि कांग्रेस के नेता ने बताया कि कांग्रेस इन चुनावी राज्यों में सहयोगी दलों से समझौता करने के लिए अपने हितों को दरकिनार करने को भी तैयार है। जम्मू-कश्मीर में पार्टी ने यही किया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुकाबले पार्टी कम सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसी तरह से लोकसभा चुनाव के दौरान महाराष्ट्र में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद कांग्रेस गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट शेयरिंग में लचीला रुख दिखा रही है। इन मामलों पर जब पार्टी के भीतर से सवाल उठे, तो शीर्ष नेतृत्व ने यही तर्क दिया कि इन राज्यों में अगर विपक्ष को जीत मिलती है तो आने वाले समय में कांग्रेस को भी बहुत फायदा होगा और बीजेपी का तेजी से पतन होगा।

आरएसएस व भाजपा संगठन पर जारी रहेगा हमला

वहीं कांग्रेस व विपक्ष कई बड़ नेता समय-समय पर आरएसएस व भाजपा के संगठन पर हमला बोलते रहते हैं। इसी तरह का हमला संघ पर जातिगत जनगणना पर टिप्पणी के बाद भी किया गया। वहीं मणिपुर मामले में पीएम की चुप्पी कोलेकर भी विपक्ष हमलावर है। आरएसएस की टिप्पणी के एक दिन बाद कांग्रेस ने को पूछा कि अब संघ की तरफ हरी झंडी मिल गई है तो क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस की एक और गारंटी को हाइजैक करके जाति जनगणना करवाएंगे? कांग्रेस ने कुल मिलाकर पांच सवाल किए हैं, जिसमें संघ और सरकार दोनों को घेरा गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक पोस्ट के जरिए मोदी सरकार से पांच सवाल पूछे हैं, इन सवालों के जरिए संघ को भी निशाने पर लिया गया है। जयराम ने पूछा, जाति जनगणना को लेकर आरएसएस की उपदेशात्मक बातों से कुछ बुनियादी सवाल उठते हैं, क्या आरएसएस के पास जाति जनगणना पर निषेधाधिकार है? जाति जनगणना के लिए इजाजत देने वाला आरएसएस कौन है? वहीं कांग्रेस ने आश्चर्य जताया कि केंद्र सरकार मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के एक गांव में हुए उग्रवादी हमलों में ड्रोन के इस्तेमाल पर चुप क्यों है, जिसमें दो लोग मारे गए और नौ अन्य घायल हो गए। कांग्रेस विधायक दल के नेता ओ इबोबी सिंह ने कहा कि अगर ड्रोन की मदद से बम गिराए जाते हैं तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल है क्योंकि राजभवन और मुख्यमंत्री आवास सुरक्षित नहीं रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार लोगों के जीवन की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की जान और संपत्ति की रक्षा कौन करेगा? केंद्र सरकार चुपचाप ऐसे कृत्यों को क्यों देख रही है? राज्य में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार कहां है? सिंह ने कहा कि कोत्रुक में नवीनतम घटनाक्रम से पता चलता है कि यूक्रेन और इजराइल के युद्ध में इस्तेमाल की जाने वाली आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल अब मणिपुर में किया जा रहा है।

राहुल बने बीजेपी के सामने बड़ी चुनौती

पिछले कुछ वक्त से जिस तरह से विपक्ष भाजपा पर हमलावर बना हुआ है और भाजपा को लगातार घेर रहा है, उसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का एक बहुत बड़ा योगदान है। कहीं न कहीं राहुल भाजपा के सामने एक मजबूत चुनौती बनते जा रहे हैं। जिसका काट भाजपा को मिल नहीं रहा है। लोकसभा चुनावों में भी बीजेपी के अबकी बार 400 पार के लक्ष्य पर राहुल गांधी ने अकेले ही जिस तरह से दबाव बनाना शुरू किया और उसके मुकाबले में संविधान और जाति जनगणना के मुद्दे को जिस तरह से उन्होंने धार दिया, उसी का नतीजा रहा कि भाजपा 400 तो दूर की बात 272 के पूर्ण बहुमत के आंकड़े तक से काफी दूर रही गई। लोकसभा चुनावों के बाद भी राहुल गांधी अब नेता प्रतिपक्ष के रूप में लोकसभा में भाजपा के सामने आए दिन नई-नई चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। क्योंकि नेता प्रतिपक्ष का पद मिलने के बाद अब राहुल गांधी के पास एक पॉवर भी है और सरकार से हर बात में सवाल करने का अधिकार भी है। राहुल अपने अधिकारों का जिस तरह से इस्तेमाल कर रहे हैं और जिस तरह से हर मुद्दे पर सदन में सरकार को घेर रहे हैं, उसने भाजपा और मोदी के लिए परेशानियां और भी बढ़ा दी हैं। आने वाले वक्त में भी अगर राहुल संसद में ऐसे ही भाजपा को घेरते रहेंगे और सरकार से सवाल करते रहेंगे। तो निश्चित ही इस बार बीजेपी के लिए आने वाले वक्त में भी मुश्किलें बढ़ने ही वाली हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अपराजिता देगा महिलाओं को कड़ी सुरक्षा!

कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या रेप के बाद कर दी गई थी, इसे बाद से पूरे देश धरना प्रदर्शन भी हो रहे थे। इस सब के बीच राज्य सरकार ने कड़े कानूनो वाले इस बिल को बनाकर जहां एक उम्दा कार्य किया है उससे उम्मीद की जा सकती है कि अन्य राज्य भी इसका अनुरसण करेंगे। प्रस्तावित विधेयक में दुष्कर्म और पीड़िता की मौत के दोषी व्यक्ति को मौत की सजा देने का प्रावधान किया गया है।

बंगाल सरकार ने महिलाओं पर बढ़ रहे यौन उत्पीड़न केसों के मद्देनजर एक सख्त कानून अपराजिता लाया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस विधेयक को राज्य की विधान सभा में पेश करके इसे सर्वसम्मति ये पास करवा लिया। इस बिल का सत्ता पक्ष में बैठी टीएमसी व उसके सहयोगियों के साथ विपक्ष में बैठी भाजपा ने भी समर्थन किया है। कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या रेप के बाद कर दी गई थी, इसके बाद से पूरे देश में धरना प्रदर्शन भी हो रहे थे। इस सब के बीच राज्य सरकार ने कड़े कानूनो वाले इस बिल को बनाकर जहां एक उम्दा कार्य किया है उससे उम्मीद की जा सकती है कि अन्य राज्य भी इसका अनुसरण करेंगे। प्रस्तावित विधेयक में दुष्कर्म पीड़िता की मौत के दोषी व्यक्ति को मौत की सजा देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही इसमें दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के दोषी को बिना जमानत के आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान भी किया गया है।

दुष्कर्म विरोधी विधेयक पेश कर दिया गया, जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। इस विधेयक में दुष्कर्म और पीड़िता की मौत के दोषी व्यक्ति को फांसी की सजा देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही इसमें दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के दोषी को बिना जमानत के आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान भी किया गया है। विधानसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस विधेयक को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म के दोषी को सख्त सजा मिलनी चाहिए। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंकिम चंद्र की शस्य श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल शक्ति पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। स्वाधीनता संग्राम में महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। पर ममता सरकार ने इस कानून को बनाकर महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक सार्थक कदम उठाया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रणनीतिक साझेदारी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अमेरिकी दौरा रणनीतिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण रहा। उनकी यह यात्रा भारत और अमेरिका के रणनीतिक संबंधों को मजबूत बनाने के इरादे से ही थी। वहां पहुंचकर उन्होंने अमेरिकी रक्षा कंपनियों को भारत के साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया। यदि अमेरिकी रक्षा कंपनियां भारत आती हैं तो दोनों देश मिलकर जिन रक्षा उत्पादों का निर्माण करेंगे वे आधुनिक किस्म के होंगे। इस प्रयास में सफलता मिलने पर भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ते हुए मेक इन इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ा सकेगा। वहीं भारत रक्षा निर्यात में तेजी से अग्रसर होगा। उक्त यात्रा दोनों देशों के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने के लिए थी। रक्षा मंत्री की यात्रा के दौरान वाशिंगटन में दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों पक्षों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने सुरक्षा आपूर्ति समझौता (एसओएसए) और संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुताबिक, एसओएसए के जरिये अमेरिका और भारत, राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने वाली वस्तुओं व सेवाओं के लिए पारस्परिक समर्थन प्रदान करने पर सहमत हैं। दोनों देश राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के मद्देनजर अप्रत्याशित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान हल करने के लिए एक-दूसरे से आवश्यक औद्योगिक संसाधन प्राप्त कर सकेंगे। गौरतलब है, यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के लिए अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक से इंजन मिलने में देरी हो रही है। संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में जो समझौता हुआ है, उसके तहत दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने को अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। भारत इंडो-पैसिफिक कमांड फ्लोरिडा में विशेष ऑपरेशन कमांड व बहरीन में अमेरिकी नेतृत्व वाली बहुराष्ट्रीय संयुक्त समुद्री सेना में तीन कर्नल स्तर के अधिकारियों को नियुक्त करेगा।

वैसे इस समझौते की औपचारिकता से पहले ही ऐसे अफसरों की तैनाती की जा चुकी है। हालिया दौरे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन से मुलाकात की। इस मुलाकात में भारत-अमेरिका के बीच चल रहे रक्षा

औद्योगिक सहयोग प्रोजेक्ट्स,उभरती भू-राजनीतिक स्थिति एवं अन्य प्रमुख क्षेत्रीय सुरक्षात्मक मसलों पर चर्चा हुई। इससे पहले रक्षा मंत्री अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात कर चुके थे। इस चर्चा में राजनाथ सिंह ने बीते वर्ष भारत-अमेरिका रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप में पहचाने गए क्षेत्रों में भारत में सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसरों के संबंध में अधिक जोर दिया। वे रक्षा औद्योगिक सहयोग के रोडमैप के तहत जेट इंजन, युद्ध सामग्री, ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम तथा मानव रहित प्लेटफॉर्म सहित भारत की प्राथमिकता वाली सह-उत्पादन परियोजनाएं आगे बढ़ाने को तैयार हैं। जब राजनाथ सिंह अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन से मुलाकात कर रहे थे उसी दिन अमेरिका की बाइडेन सरकार ने वहां की संसद को एक नोटिफिकेशन के जरिये 443 करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों के डील की अनुमति प्रदान कर दी है। जिसके बाद एंटी-सबमरीन वॉरफेयर सोनोबॉय और संबंधित उपकरण भारत को बेचने में परेशानी नहीं होगी। बाद में रक्षा मंत्री राजनाथ व लॉयड ऑस्टिन के बीच पेंटागन में हुई व्यापक वार्ता के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस सौदे पर मुहर लगा दी। इस पनडुब्बीरोधी सामग्री से समुद्र में भारत की ताकत बढ़ेगी और चीन की साजिशों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। सोनोबॉय से भारत की एमएच-60 आर हेलीकॉप्टरों से पनडुब्बीरोधी युद्ध संचालन की क्षमता बढ़ेगी। भारत ने नौसैनिक हेलीकॉप्टर बेड़े को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से साल 2020 में अमेरिका से 24 लॉकहीड मार्टिन-सिकोरस्की एमएच-60 आर बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टरों की खरीद का आर्डर दिया था।

अमेरिका भारत को एएन-एसएसक्यू-53जी, एएन-एसएसक्यू-62एफ तथा एएन-एसएसक्यू-36 सोनाबॉय देगा। सोनोबॉय तकनीक की खासियत यह है कि शत्रु की नजर में नहीं आता है और लक्ष्य को शीघ्र पता कर लेता है-लक्ष्य चाहे जितनी अधिक ऊंचाई पर हो या चाहे जितना नीचे हो। एंटी-सबमरीन वारफेयर सोनोबॉय एक प्रकार के सोनार उपकरण होते हैं जो समुद्र में पानी के अंदर शत्रु की पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं। इन्हें हवाई जहाज या हेलीकॉप्टर से समुद्र में गिराया जाता है। पानी में नीचे पहुंचने के बाद ये ध्वनि तरंगों का उपयोग करके पनडुब्बियों की

जीएम फसलों पर यूरोपीय अनुभवों के सबक

अमरजीत भुल्लर

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने को कहा है। पिछले दो दशकों से संशयवादी जीएम फसलों की देश में आमद को रोकने में सफल रहे हैं, और संभावना है कि वे इसका विरोध जारी रखेंगे। पिछले सप्ताह, 18 राज्यों के फार्म यूनियन नेताओं ने जीएम फसलों और इसके पर्यावरणीय प्रभाव, वस्तु-व्यापार, कृषि विविधता, और मानव एवं पशु स्वास्थ्य पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में जीएम फसलों के विरोध में सभी एकमत थे। भारत पहले ही जीएम जैव के संबंध में एक उचित और स्वीकार्य नीति बनाने में जूझ रहा है। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपने सदस्य देशों में जीएम उत्पादों/बीजों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए लंबे समय से संघर्ष किया है।

ईयू जीएम जैव पर एक अपेक्षाकृत अच्छी नीति बनाने में सक्षम रहा है (हालांकि यह पूरी तरह से सही नहीं है), और यह भारत के लिए एक सबक हो सकता है। कृषि विकास का इतिहास हमें बताता है कि दुनिया ने अब तक तीन 'हरित क्रांतियां' देखी हैं। पहली हरित क्रांति की शुरुआत 1930 के दशक में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में हुई। इसमें उर्वरक, कीटनाशक, फसल प्रजातियां, मशीनरी और कृषि प्रबंधन में सुधार शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप मक्का और अन्य तापमान-जलवायु पर आधारित फसलों की उपज में तेजी से वृद्धि हुई। दूसरी हरित क्रांति 1960 और 1970 के दशकों में आई, जिसमें कुछ भारतीय राज्य भी शामिल थे। इस क्रांति ने विकासशील देशों और गर्म इलाकों में उगाई जाने वाली फसलों के लिए समान तकनीकें उपलब्ध कराईं, लेकिन इन तकनीकों को स्वदेशी अनुसंधान और विस्तार नेटवर्क के माध्यम से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित किया गया।

जीएम उत्पाद, विशेषकर कृषि में आनुवंशिक इंजीनियरिंग का उपयोग करके बने बीज, 1970 के दशक में प्रकट हुए और 1990 के दशक से मुख्यत: उत्तरी अमेरिका में इनका व्यवसायीकरण किया गया। इस तकनीक के समर्थकों का दावा है कि इससे कृषि उत्पादकता में भारी वृद्धि होगी और खाद्य आपूर्ति में गुणात्मक सुधार होगा। पहली दो हरित क्रांतियों और तीसरी हरित क्रांति के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि तीसरी क्रांति को उतनी निर्णायकता के साथ अपनाया नहीं गया। मानव, पशु और पौधों पर जीएम प्रौद्योगिकी के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में संदेह बना हुआ है। यूरोपीय संघ के देशों ने जीएम उत्पादों पर सख्त नियामक प्रतिबंध लगाए हैं, जबकि अमेरिका, कनाडा, अर्जेंटीना और ब्राजील ने अधिकांश कृषि-जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग की अनुमति दी है। भारत सहित अधिकांश अन्य देश सही रास्ता खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यूरोपीय संघ ने इस तकनीक का विरोध किया और सख्त जीएम-प्रतिबंधात्मक नीतियां अपनाईं। अधिकांश यूरोपीय सरकारों और यूरोपीय संघ ने जीएम संशोधित जैव से जुड़े जोखिमों की अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए एहतियाती दृष्टिकोण अपनाया, जिसे 'पछतावे से रोकथाम' का सिद्धांत कहा जा सकता है।

इसके विपरीत, अमेरिका ने दावा किया कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के तहत, विशेषकर सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी उपायों पर समझौते में निहित प्रावधानों के तहत, 'समान' उत्पाद (वह उत्पाद जो सीधे प्रतिस्पर्धात्मक या उनका विकल्प हो) के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए ठोस वैज्ञानिक प्रमाण प्रदान करना आवश्यक है। इसका मतलब है कि संभावित आयातक या प्राप्तकर्ता देश को यह दिखाना होगा कि कोई जीएम बीज/उत्पाद (यदि कोई 'समान' उत्पाद है) मानव, पशु या पौधों की सेहत के लिए असुरक्षित है। दिलचस्प बात यह है कि बीज या उत्पाद के 'सुरक्षित' होने का सबूत देने की जिम्मेदारी निर्यातकों की न होकर आयातकों पर डाल दी गई है। इसका मतलब है कि आयातकों को यह साबित करना होगा कि कोई बीज या उत्पाद 'असुरक्षित' है, जबकि विक्रेताओं को इसे सुरक्षित साबित करने की जिम्मेदारी नहीं है। दूसरे शब्दों में, उत्पाद को सुरक्षित माना जाएगा जब तक कि यह साबित न हो जाए कि वह असुरक्षित है। इसलिए, मुक्त व्यापार व्यवस्था, जिसे डब्ल्यूटीओ मान्यता और समर्थन देता है, के तहत यूरोपीय संघ 'ठोस विज्ञान' के सबूतों के अभाव में अमेरिका से जीएम बीज या उत्पाद के आयात को प्रतिबंधित नहीं कर सकता।

अमेरिकी दृष्टिकोण से असहमत होते हुए, यूरोपीय संघ ने अपने सदस्य देशों द्वारा जीएम बीज/उत्पादों के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए कई तरकीबें अपनाईं, जिसकी शुरुआत 1998-2004 के दौरान जीएम फसल किस्मों के अनुमोदन पर रोक लगाने से हुई। स्थगन से नाराज होकर, अमेरिका, अर्जेंटीना और कनाडा ने 2003 में जीएम उत्पादों के लिए यूरोपीय संघ की विनियामक नीति के खिलाफ डब्ल्यूटीओ में मुकदमा दायर किया। उनका दावा था कि यूरोपीय संघ की जीएम नीति 'अवैध व्यापार प्रतिबंध' उत्पन्न कर रही है। डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान पैनल ने सितंबर 2006 में शिकायतकर्ता देशों के पक्ष में फैसला सुनाया और यूरोपीय संघ को अपनी जीएमओ अनुमोदन प्रक्रिया को डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुरूप सुधारने का आदेश दिया। लेकिन डब्ल्यूटीओ के फैसले से पहले ही, यूरोपीय संघ ने अपनी निर्णय-प्रक्रिया को बदल दिया, जो आज भी बहुत जटिल बनी हुई है।

**गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागूं पाएं।
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दिओ बताए।।**

इतिहास

शिक्षक दिवस की शुरुआत और इसके इतिहास के बारे में बात करें तो द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु में हुआ था। उन्हीं के सम्मान में इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन देश के द्वितीय राष्ट्रपति थे और उन्हें भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद्, महान दार्शनिक और एक आस्थावान हिन्दू विचारक के तौर पर याद किया जाता है। पूरे देश को अपनी विद्वता से अभिभूत करने वाले डा. राधाकृष्णन को भारत सरकार ने सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया था। शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए एक सभा का आयोजन करें और उसमें अपने साथी का सहयोग करें।

**गुरु आपके उपकार का कैसे चुकाऊं मोल
लाख कीमती धन मिला गुरू है मेरा अनमोल**

जीवन में ईश्वर से बढ़कर है गुरु का स्थान

शिक्षक दिवस का मौका हम सबके लिए खास होता है। 5 सितंबर का दिन एक ऐसा दिन होता है जब हम अपने गुरुओं (शिक्षकों) के द्वारा किए गए मार्गदर्शन और ज्ञान के बदले हम उन्हें श्रद्धा से याद करते हैं। इस मौके पर लोग अपने शिक्षकों को फोन करते हैं, उनसे मिलने जाते हैं या सोशल मीडिया पर उनकी यादगार तस्वीर साझा करते हैं। यह सब अपने गुरु के प्रति आदर-सम्मान दर्शाना होता है। हम सभी आज जो भी अपने शिक्षकों के प्रयासों और नेक मार्गदर्शन के कारण ही हैं। भारतीय जीवन-दर्शन में गुरुओं को ईश्वर से भी बढ़कर बताया गया है।

टीचर्स डे का महत्व

5 सितंबर को छात्र अपने प्रिय शिक्षकों के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करने के लिए प्रदर्शन, नृत्य और विस्तृत शो जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित करते हैं। यहां तक कि उन लोगों के लिए भी जो अब स्कूल या कॉलेज में नहीं हैं, शिक्षक दिवस अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करने और शिक्षकों के उनके जीवन पर पड़े गहरे प्रभाव को स्वीकार करने का एक उत्कृष्ट अवसर है। शिक्षक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव हैं और अक्सर अपने छात्रों की सफलता पर गर्व करते हैं।

सर्वपल्ली राधा कृष्णन ने कहा कि पूरी दुनिया एक विद्यालय है जहां से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। जीवन में शिक्षक हमें केवल पढ़ाते नहीं, वे अच्छे-बुरे के बीच फर्क करना सिखाते हैं। कहा जाता है कि राधाकृष्णनन छात्रों की पढ़ाई से ज्यादा उनके बौद्धिक विकास पर ध्यान देते थे। भगवान हम सबके भीतर रहता है, महसूस करता है और कष्ट सहता है और समय के साथ उसके गुण, ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम हममें से हर एक के अन्दर उजागर होंगे। पुस्तकें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।

दें ग्रीटिंग कार्ड और बुके

अगर आपको सही में ये समझ नहीं आ रहा है कि टीचर्स डे के मौके पर आप अपने शिक्षक को कौन सा तोहफा दे सकते हैं तो ग्रीटिंग कार्ड और बुके आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। कई ऐसे ऑनलाइन वेबसाइट मौजूद हैं जो विशेष दिन पर गिफ्ट्स होम डिलिवरी करते हैं। ऐसे में आप अपने पसंदीदा टीचर को ग्रीटिंग कार्ड और फूलों का गुलदस्ता भेज सकते हैं। आप चाहें तो इस ग्रीटिंग कार्ड पर खास मैसेज भी लिखवा सकते हैं।

टीचर्स डे के मौके पर कई तरह के डिजाइनर पेपर वेट भी शिक्षकों को गिफ्ट में दिए जा सकते हैं। कॉफी मग भी आकषर्क गिफ्ट्स में से एक है। आजकल मार्केट में कस्टामाइज कॉफी मग भी मौजूद हैं। आप कॉफी मग पर अपने टीचर की तस्वीर, उनका नाम या फिर प्यारा सा मेसेज डिजाइन करवा कर भी उसे गिफ्ट में दे सकते हैं। इसके अलावा शिक्षक को पेन भी गिफ्ट कर सकते है।

हंसना मना है

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था, आलू ले लो आलू ले लो... राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी है, पप्पू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

एक दोस्त ने दूसरे दोस्त से पूछा-'यार तुम्हारी बीबी काफी खूबसूरत एवं सुशील है, फिर आप उससे तलाक क्यों लेना चाहते हो?'दूसरे दोस्त ने जवाब दिया-'भाई, जो जूता मैं पहने हूं, वह भी काफी खूबसूरत दिखता है, पर केवल मैं ही जानता हूं कि ये मुझे काटता है।'

एक पागल बैठा खुद गालों पर तमाचे मार रहा था। एक सज्जन उसके नजदीक आकर बोले-'अरे भाई, पागल है क्या, जो खुद ही हाथों से अपने को पीटे जा रहा है।' पागल उठा एवं सज्जन के गालों पर तमाचे मारने लगा।

पत्नी- बैंक में लाइन में खड़ा होने के बाद भी पैसा नहीं मिला, संता- गुस्सा करता हुआ बोला और तुम पागलों जैसी यूं ही आ गई? उनका कुछ नहीं कर पाई? मुझ पर तो आज तक 15 बेलन तोड़ चुकी हो, कम से कम एक बेलन उन पर तोड़ आती, उनको भी तो कुछ मालूम पड़ता। पत्नी- बहुत ही धीरे से बोली- बेलन तो आज एक और टूटेगा! पैसा बैंक में था, तुम्हारे खाते में नहीं था।

कहानी | आचरण बड़ा या ज्ञान?

एक बार की बात है एक राज्य में राजा की सभा में एक बड़ा ही सम्मानित राज पुरोहित था। उसका इतना मान था कि जब वह राज्य सभा में आता था तो राजा भी खड़े होकर उसका स्वागत करते थे। एक दिन राजा ने अपनी सभासद के सामने समस्या पूर्ति रखी की आचरण बड़ा या ज्ञान? राजपुरोहित ने कहा- प्रश्न के समाधान के लिए थोड़ा वक्त चाहिए। राजपुरोहित ने एक प्रयोग किया, उन्होंने कोषागार से दो मोती चुरा लिए। यह खजांची ने देखा और हैरान रह गया। दूसरे दिन भी ऐसा ही हुआ। राजपुरोहित ने फिर से रत्न चुरा लिए। बात राजा तक पहुंचीं और राजा ने जांच कराई, तथा राजपुरोहित की सच्चाई सामने आईं। अगले दिन राजा ने राजपुरोहित को सम्मान नहीं दिया। उसके सम्मान में खड़ा नहीं हुआ। पुरोहित ने मन ही मन कहा- दवा काम कर गई। राजा ने पुरोहित से पुछा अपने मोती, रत्न चुराएं है? जी हां, पुरोहित ने कहा। राजा ने पुछा क्यों? राजपोरिहित ने कहा- दरअसल में आपको दिखाना चाहता था कि आचरण बड़ा है या ज्ञान? मेरी राज्य सभा में जो प्रतिष्ठा है, सम्मान है, इज्जत है वह आचरण के कारण है या ज्ञान के?.. ..आपने देखा कि मेरा ज्ञान मेरे पास था, उसमें कोई फर्क नहीं आया, उसमें कोई कमी नहीं आई। फिर भी आपने मेरा स्वागत नहीं किया। खड़े होकर मेरा सम्मान नहीं किया। क्योंकि मैं आचरण से गिर गया था राजपुरोहित से चोर बन गया था। मेरा आचरण गिरा, आपकी भौंहें तन गई। राजपोरोहित ने कहा कि मैं समझ गया कि आचरण बड़ा है या ज्ञान? उसने राजा से कहा कि मुझे लगता है कि आपके प्रश्न का भी यही उत्तर है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन लाभदायी रहेगा। आज कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं। आज का दिन बड़ा लाभ दिला सकता है। हानि पहुंचाने के प्रयास करेंगे।

मिथुन

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त हो सकता है।

कर्क

कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय होगी।

सिंह

मित्रों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात का अवसर मिलेगा, किसी व्यक्ति का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा।

कन्या

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। आत्मसम्मान बना रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है।

वृश्चिक

परिवार के साथ जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्ययवृद्धि होगी। बाहरी विवाद को बढ़ावा न दें।

धनु

भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी।

कुम्भ

आज का पूजा-पाठ वाला दिन रहेगा। नौकरी में काम में मन लगेगा। किसी साधु-संत की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जल्दबाजी न करें। आलस्य हावी रहेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है।

फिल्म 'देवा' की शूटिंग पूरी, टीम ने पूजा हेगड़े को दिया धन्यवाद

पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवा को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म पूरी तरह से एक्शन, थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर होगी। इस फिल्म में पूजा के साथ शाहिद कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। पूजा ने फिल्म देवा की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसके बाद देवा की टीम ने उन्हें एक स्पेशल नोट भेजा है।

पूजा हेगड़े बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि कई साउथ फिल्मों में भी अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों को दिल जीत चुकी हैं। वह बात अलग है कि उनकी पिछली दो बॉलीवुड फिल्में किसी का भाई किसी की जान और सर्कस बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास रंग नहीं जमा पाई। पूजा अब हाई-बजट एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा में नजर आएंगी। इस फिल्म में पूजा के साथ बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म को मशहूर फिल्ममेकर रोशन एंड्रयूज निर्देशित कर रहे हैं। यह रोशन की डेब्यू बॉलीवुड फिल्म है।

देवा की टीम का पूजा के लिए खास नोट

पूजा हेगड़े ने फिल्म देवा में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म की टीम ने इस अवसर पर पूजा को एक खास नोट भेजा है। इस खास नोट को पूजा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम की स्टोरी पर साझा किया है। इस नोट में लिखा है, हाय पूजा, हमारी फिल्म में आपके बेहतरीन और अविश्वसनीय काम और मौजूदगी के लिए हार्दिक धन्यवाद! आपकी प्रतिभा और समर्पण ने सेट में इतनी जान डाल दी और यह वाकई में फिल्म में दिखाई देता है, चमकते रहो, बहुत प्यार।

पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे शाहिद

बता दें इस फिल्म में शाहिद एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का पहला लुक जारी किया जा चुका है, जिसमें शाहिद पुलिसवर्दी पहने और हाथ में बंदूक थामे नजर आए। इस फिल्म से शाहिद का यह लुक प्रशंसकों को बेहद पसंद आया है। अब प्रशंसक इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

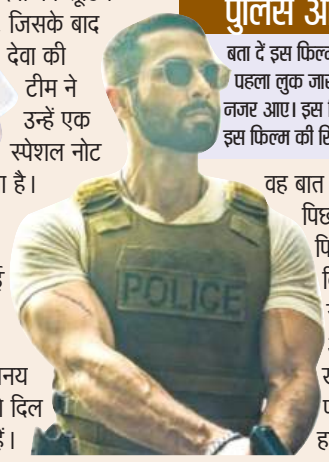

मैडम सपना में दिखेगी सपना चौधरी की संघर्ष भरी कहानी

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी अब किसी परिचय का मोहताज नहीं हैं। अपने डांस से उन्होंने देश-दुनिया में नाम कमाया है। उनकी कहानी काफी संघर्षभरी रही है। अब इस कहानी को सपना चौधरी के फैंस परदे पर देख सकेंगे। सपना चौधरी की बायोपिक आ रही है। मशहूर निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट यह फिल्म बना रहे हैं। आज सपना चौधरी ने खुद पोस्ट शेयर कर फैंस को यह जानकारी दी है।

सपना चौधरी की बायोपिक का नाम है मैडम सपना। सपना चौधरी ने बताया है कि उनकी फिल्म अगले साल यानी 2025 में दर्शकों तक पहुंचेगी। इसके साथ उन्होंने लंबा नोट भी लिखा है। सपना चौधरी की फिल्म का एलान होते ही फैंस बेहद खुश हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

अभिनय मेरे खून में इसके अलावा मैं कुछ नहीं जानती : करीना कपूर

करीना कपूर इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म द बकिंघम मर्डर्स की रिलीज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। एक निर्माता के रूप में करीना की यह पहली फिल्म है, जिसे लेकर खुद करीना और उनके प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में, करीना, एकता कपूर और निर्देशक हंसल मेहता के साथ द बकिंघम मर्डर्स का ट्रेलर लॉन्च इवेंट हुआ। इस इवेंट के दौरान, करीना कपूर ने अभिनय के प्रति अपने गहरे जुनून के बारे में कई बाते बताईं।

करीना कपूर खान ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने दो दशक लंबे सफर पर बात करते हुए बताया कि उनका हमेशा से सपना बड़े पर्दे पर आने का रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, करीना कपूर ने कहा, अभिनय मेरे खून में है। मैं इसके अलावा कुछ नहीं जानती। अभिनेत्री ने कैमरे के सामने आने के अपने प्यार का भी जिक्र किया और कहा कि अभिनय उनका सच्चा जुनून है और वह इसे जीवन भर जारी रखना चाहती हैं। द बकिंघम मर्डर्स के बारे में बात करते हुए करीना ने इसे पूरी टीम के लिए एक खास प्रोजेक्ट बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज की दुनिया में कहानी की तुलना में भाषा का महत्व कम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, करीना ने कहा, आप जो बना रहे हैं, वह मायने रखता है। देखिए हमने क्या बनाया है। हमने इसे पूरे दिल से बनाया है। इसके अलावा करीना ने एकता कपूर की भी जमकर तारीफ की। करीना ने एकता कपूर के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें इस प्रोजेक्ट की रीढ़ कहा। बता दें द बकिंघम मर्डर्स एक पुलिस अधिकारी की कहानी है, जो अपने बच्चे की हत्या के बाद एक नए शहर में चली जाती है। वहां, वह एक और बच्चे के लापता होने की जांच करती है। यह फिल्म पूरी तरह से सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। करीना कपूर के अलावा फिल्म में कीथ एलन, जोनाथन न्याती, स्टुअर्ट व्हेलन, क्रिस विल्सन, प्रभलीन संधू, असद राजा, जोएल मॉरिस, ऐश टंडन ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। उड़ता पंजाब, क्रू और वीरे दी वेडिंग के बाद, द बकिंघम मर्डर्स करीना कपूर और एकता कपूर की चौथी और हंसल मेहता के साथ उनकी पहली फिल्म है।

अजब है ये गाय, 18 माह की उम्र से दे रही दूध, एक बार भी नहीं बनी मां

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक ऐसी गाय है, जिसे कलयुग की कामधेनु माना जा रहा है। इसे लोग ईश्वर का चमत्कार मान रहे हैं। यह गाय साढ़े 5 वर्ष से बिना किसी बच्चे को जन्म दिए दूध दे रही है। शास्त्रों में कामधेनु गाय के बारे में आपने सुना ही होगा। माना जाता है कि कामधेनु गाय में सभी देवी-देवताओं का वास होता है।

वहीं, सीधी के सिहावल अंतर्गत डमक पंचायत की इस गाय के दूर तक चर्चे हैं। बताया जाता है कि यह गाय साढ़े पांच साल से सुबह-शाम 4 से 5 लीटर दूध देती है। खास बात ये कि यह गाय अभी तक एक बार भी मां नहीं बनी है। इस समय गाय की उम्र 7 वर्ष है। दावा किया कि 18 माह की उम्र में इस गाय ने दूध देना शुरू कर दिया था। गाय पालक आशुतोष तिवारी ने बताया कि उनको गाय पालने का काफी शौक रहा है। यह गाय जन्म से ही काफी अलग थी। जब 18 माह की थी, तब मार्च 2019 में उसके थन अचानक मोटे हो गए, तब ऐसा आभास हुआ कि शायद इसके थनों में दूध आ गया है। उन्होंने तब से ही इसे लगाना शुरू किया था। यह साहीवाल नस्ल की गाय है। आगे बताया कि उनके पास 3 गाय है। एक देसी व 2 साहीवाल। इस गाय को प्यार से आशुतोष तिवारी कपिला कहते हैं। उन्होंने बताया कि वह किसी बाहरी व्यक्ति को अपने सामने देखना तक पसंद नहीं करती। हालांकि, घर के सभी सदस्यों को कोई दिक्कत नहीं करती है। पंडित इंद्रमणि घनश्याम के अनुसार, हिंदू पुराणों में कामधेनु गाय का जिक्र मिलता है। जब देवताओं ने समुद्र मंथन किया था, तब उसमें से निकलने वाली 14 मूल्यवान चीजों में एक कामधेनु गाय भी थी। इसको देवताओं ने प्रणाम किया और स्वर्ग में स्थान दिया। माना जाता है कि जिसके पास भी कामधेनु गाय होती थी, वह शक्तिशाली कहलाता था।

अजब-गजब | शिकागो के इस ट्रैक पर ठंडक में जम जाती है बर्फ

यहां जलती पटरियों पर दौड़ती है ट्रेन, वरना हो जाएगा बड़ा हादसा

आए दिन ट्रेन एक्सीडेंट की खबरें हमें पढ़ने को मिल जाती हैं, जिसमें कई लोग मारे जाते हैं। कहीं पर ट्रैक टूटा होता है, तो कहीं सेम ट्रैक पर दो ट्रेने आपस में टकरा जाती हैं। कई बार ट्रेन खुद बेपटरी हो जाती है, तो कभी आग लगने की वजह से हाहाकार मच जाता है। ऐसे में रेलवे अक्सर पटरियों की जांच करवाती है, ताकि कोई एक्सीडेंट न हो। साथ ही आग लगने की घटना से बचा जा सके, इसलिए सिगरेट-बीड़ी पीने पर भी प्रतिबंध लगा हुआ है। लेकिन क्या आपने किसी ऐसे रेलवे ट्रैक के बारे में सुना है, जहां की पटरियों पर जान-बूझकर आग लगाई जाती है? यानी कि पटरियों पर चारों तरफ आग ही आग होता है, जबकि उसके ऊपर से ट्रेन गुजरती है। आपको जानकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन ये बिल्कुल सच है। ऐसा ही एक रेलवे ट्रैक अमेरिका के शिकागो में है। इस ट्रैक की पटरियों पर जानबूझ आग लगाई गई होती है। वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि रात के अंधेरे में रेलवे पर ट्रैक पर चारों तरफ आग फैला हुआ है। ऐसा लगता है कि किसी ने जानबूझकर इस आग को लगाया है। यहां कई ट्रेनें

गुजरती हैं। चंद सेकंड बाद ही आप वीडियो में ट्रेन को इसी ट्रैक से गुजरते हुए देख सकते हैं। धीरे-धीरे पूरी की पूरी ट्रेन गुजर जाती है, लेकिन आग नहीं बूझती। दरअसल, इस आग को लगाए जाने के पीछे एक बड़ी वजह है। ठंड के मौसम में अक्सर शिकागो के इस ट्रैक पर भारी बर्फ जम जाता है। ट्रेनों का परिचालन भी थम सा जाता है। ऐसे में सरकार ने रेलवे ट्रैक से बर्फ को पिघलाने के लिए आग का इस्तेमाल करना शुरू किया। हालांकि, डर तो ये भी था कि ट्रेन में आग न लग जाए, लेकिन इस ट्रैक पर ट्रेन की बनावट ऐसी की गई जिससे उन तक आग न फैले। वीडियो में आप देख सकते ते हैं कि ट्रेन तेज रफ्तार में उस ट्रैक से गुजर जाती है, लेकिन आग नहीं लगती।

रेलवे ट्रैक की जलती पटरियों के कारण वहां पर जमे बर्फ बिल्कुल पिघल जाते हैं। ऐसे में ट्रेन अपनी रफ्तार से समय पर यात्रियों को उनके गंतव्य स्थल तक छोड़ती है। इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को बेयर फैक्ट्स नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो के ऊपर कैप्शन में लिखा है, 'यह शिकागो है। रेलवे ट्रैक पर हल्की आग लगाई गई है, ताकि भीषण ठंड में ट्रेनें पटरियों से न उतरें।' इस वीडियो को अब तक 2 लाख 46 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वहीं, हजारों लोगों ने इसे लाइक और शेयर किया है। इसके साथ ही इस वीडियो पर ढेर सारे कमेंट्स भी आए हैं।

वीडियो पर कमेंट करते हुए अक्षित शील नाम के यूजर ने लिखा है कि बस थोड़ा सा रिसाव हुआ तो हम आतिशबाजी देख सकते हैं। इरफान शेख ने लिखा है कि कल्पना कीजिए कि तेल ले जाने वाली एक ट्रेन इस मार्ग से गुजर रही है और उसमें से तेल लीक होने लगे तो क्या होगा।

भाजपा षड्यंत्र रचने के लिए कर रही निर्दलियों का समर्थन : उमर

» गांदरबल से भरा पर्चा टोपी उतार लोगों से की अपील

» बोले- मेरी दस्तार, मेरी इज्जत, इसकी रक्षा कीजिये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल कॉन्फ्रेंस उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा कश्मीर से अधिक से अधिक निर्दलीय उम्मीदवारों को जिताने की कोशिश कर रही है, ताकि सरकार बनाने में वह उनकी मदद ले सके। कहा, जब परिणाम घोषित होंगे तो न तो भाजपा और न ही उसकी चालें सफल होंगी। उन्होंने कहा कि यह देखना बाकी है कि इन निर्दलीय उम्मीदवारों का एजेंडा क्या है। वे जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए क्या हासिल करना चाहते हैं। गांदरबल विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल कर दिया।

नामांकन दाखिल करने के बाद वह बेहद भावुक हो गए। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में मिली पराजय की पीड़ा उनकी आवाज में नजर आई। उन्होंने अपनी टोपी उतार कर अवाम के सामने रख दी और कहा, यह आपके हवाले है। मुझे एक बार फिर सेवा का मौका दें। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर ने कहा, आज मैं सिर्फ एक बात करूंगा ... मेरी दस्तार, मेरी इज्जत, मेरी यह टोपी - इसकी रक्षा कीजिये, इसकी इज्जत रखिये और मुझे एक बार मौका दें, अपनी खिदमत करने का। आज मैं हाथ जोड़ता हूं कि मेरी यह गुजारिश सभी वोटरों तक पहुंचाएं। इस दौरान पार्टी समर्थक बार-बार उमर अब्दुल्ला से उनके टोपी वापस सिर पर रखने की अपील करते दिखे। उमर ने कहा, 16 साल पहले इसी तरह गांदरबल आया था। मैंने कागज (नामांकन) भरे और गांदरबल के लोगों ने मुझे उनकी नुमाइंदी करने का मौका दिया। आज अपने आपको फिर से गांदरबल के लोगों के सामने पेश कर रहा हूं। इस उम्मीद के साथ कि जिस तरह से पहले खिदमत करने का मौका मिला, उसी तरह इस बार भी मिले।

नेकां की तरह कोई बात गुप्त नहीं रखते

पीडीपी को शामिल किए बिना सरकार का गठन संभव नहीं : महबूबा

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी को शामिल किए बिना सरकार का गठन संभव नहीं होगा। श्रीनगर में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) सिर्फ सत्ता और मंत्री पद पाने के लिए गठबंधन करती है। वे 1947 से ऐसा कर रहे हैं। उनका इसके अलावा कोई लक्ष्य नहीं है। महबूबा ने कहा कि पीडीपी एक एजेंडे के लिए चुनाव लड़ना चाहती है। हमने 2002 में केवल 16 विधायकों के साथ सरकार बनाई थी। उन्होंने कहा कि पीडीपी का ध्यान अपने एजेंडे को लागू करने पर ज्यादा है और सरकार बनाने पर कम। पीडीपी ने 2015 में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार बनाई थी, लेकिन इस बार चुनाव के बाद भगवा पार्टी के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया। महबूबा मुफ्ती ने कहा, पार्टी ने कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए भाजपा से हाथ मिलाया था। आज इसकी कोई गुंजाइश नहीं दिखती, क्योंकि भाजपा ने उस दिशा में सभी प्रयासों पर पानी फेर दिया है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी ने जो कुछ भी किया है वह नेका के विपरीत खुले तौर पर किया है, जो गुप्त रूप से काम करती है। जब हम राममाधव के माध्यम से भाजपा से नहीं, बल्कि केंद्र सरकार से बातचीत कर रहे थे तो हर कोई जानता था कि यह खुले में किया गया था। हम एक एजेंडा लेकर आए और इसे लागू किया। हमने इसे उमर अब्दुल्ला की तरह गुप्त रूप से नहीं किया। पीडीपी का भाजपा के साथ कोई संपर्क नहीं है।

देवेंद्र फडणवीस साजिश कर फंसवा रहे : अनिल देशमुख

» सीबीआई के केस दर्ज करने के बाद बोले पूर्व गृहमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर कथित तौर पर भाजपा नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश करने का मामला दर्ज किया। इस मामले में कथित तौर पर यह आरोप शामिल है कि गृह मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान देशमुख ने जलगांव में पुलिस अधिकारियों पर भाजपा नेता गिरीश महाजन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दबाव डाला था। देशमुख ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह मामला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की साजिश है। राकांपा नेता पहले से ही कथित भ्रष्टाचार के लिए सीबीआई मामले और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज एक अन्य मामले का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा मेरे खिलाफ एक और आधारहीन मामला दर्ज किया गया है। यह साजिश इसलिए शुरू हुई है क्योंकि फडणवीस लोगों के जनादेश को देखकर घबरा गए हैं। मैं इस तरह की धमकियों और दबाव से बिल्कुल भी नहीं डरता। उन्होंने कहा कि उन्होंने भाजपा के दमनकारी शासन के ख़िलाफ़ लड़ने की कसम खाई है। देशमुख ने कहा कि लोगों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि फडणवीस कैसे विकृत और निम्न-स्तरीय राजनीति में लिप्त थे। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को खड़ा कर दिया और अब विधानसभा चुनाव का इंतजार है।

भ्रष्ट सरकार को महाराष्ट्र से हटाना पहला काम : राउत

» बोले- जनता के मन में जो है वही बनेगा सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में मुख्यमंत्री चेहरे पर घमासान छिड़ा है। इस बीच अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने भी अपना रुख साफ कर दिया है। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, कि जनता के मन में जो चेहरा है, जनता उसे ही मुख्यमंत्री बनाएगी। पवार साहब की बात पूरी तरह सही है।

कौन कितनी सीटें जीत रहा है यह बाद में तय होगा लेकिन यह तय है कि एमवीए को बहुमत मिल रहा है, हमारा पहला काम है इस भ्रष्ट सरकार को हटाना, उसके बाद हम मुख्यमंत्री के चेहरे पर कभी भी चर्चा कर सकते हैं। दरअसल, बुधवार को एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की कोई जरूरत नहीं है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा, इस संबंध में फैसला चुनाव परिणामों के बाद किया जा सकता है. उनके बयान का महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने भी समर्थन किया।

मनमानी कर रही असम पुलिस और विदेशी न्यायाधिकरण : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। असम में विदेशी न्यायाधिकरण के फैसले के अनुपालन में 28 विदेशियों को एक 'ट्रांजिट कैंप' में भेजे जाने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने असम पुलिस की सीमा शाखा और वहां के विदेशी न्यायाधिकरणों पर मनमाने ढंग से काम करने का आरोप लगाया।

पुलिस ने बताया कि असम के बारपेटा जिले से नौ महिलाओं सहित कुल 28 लोगों को एक न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किए जाने के बाद गोवालपारा के एक 'ट्रांजिट कैंप' में भेज दिया गया। हैदराबाद के सांसद ने कहा, इसकी पूरी जिम्मेदारी असम पुलिस की सीमा शाखा पर है। पुलिस पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करती है और किसी को भी मनमाने तरीके से विदेशी घोषित कर देती है। और फिर मामला विदेशी न्यायाधिकरणों के पास जाता है।

यूपी के 20 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

» दोबारा सक्रिय हुआ मानसून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में फिलहाल मानसून दोबारा मेहरबान हुआ है। पिछले दिनों तपिश और उमस भरी गर्मी के बीच बुधवार को यूपी के ज्यादातर इलाकों में अच्छी बारिश देखने को मिली। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक दोबारा सक्रिय हुए मानसून के बीच प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में बृहस्पतिवार को बारी बारिश की संभावना है।

वहीं मौसम विभाग ने 30 से ज्यादा जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी भी जारी की है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं व आसपास के इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

पैरालंपियनों की झोली में गिर रहा सोना-चांदी

» मेंस क्लब थ्रो में धरमबीर ने गोल्ड, प्रणव ने जीता सिल्वर, भारत की झोली में अबतक 24 मेडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। पेरिस पैरालंपिक का सातवां दिन भारत के लिए बेहतरीन रहा। जहां भारत की झोली में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल आया, इसके साथ ही अब इंडिया के कुल 24 मेडल हो गए हैं। वहीं सातवां दिन खत्म होते होते मेंस क्लब थ्रो में धरमबीर ने गोल्ड तो प्रणव ने सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। दरअसल, भारत ने क्लब थ्रो में डबल पोडियम फिनिश किया।

जिसमें धरमबीर ने 34.92 मीटर के थ्रो करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। जबकि प्रणव सूरा ने 34.59 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता। भारत के ही अमित कुमार इस इवेंट में 10वें स्थान पर रहे। उनका इस इवेंट में सर्वश्रेष्ठ थ्रो 28.96 का रहा। बता दें कि, ये भारत का मौजूदा खेलों में पांचवां गोल्ड और 8वां सिल्वर है।

हरविंदर सिंह ने आर्चरी में पहली बार दिलाया सोना

भारत के तीरंदाज हरविंदर सिंह ने आर्चरी में इतिहास रचते हुए पैरालंपिक्स में पहला गोल्ड मेडल जीता है। पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व ओपन के फाइनल में 33 वर्षीय हरविंदर सिंह ने पोलैंड के लुकाज सिजेक को 6-0 से हराया। मौजूदा पैरालंपिक में भारत का ये चौथा गोल्ड मेडल रहा। भारत के पदकों की संख्या अब 22 हो गई है। भारत अब तक 4 गोल्ड, 7 सिल्वक और 11 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है। हरविंदर ने चीनी ताइपे के सेंग लुंग हुई को 7-3 से पराजित करने के बाद प्री-क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया के सेतियावान को 6-2 से हराया था। फिर उन्होंने क्वार्टरफाइनल में कोलंबिया के हेक्टर जूलियो रमीरेज को 6-2 से शिकस्त दी। इसके बाद हरविंदर ने सेमीफाइनल में ईरान के मोहम्मद रेजा को 7-3 से हराकर फाइनल में एंट्री की।

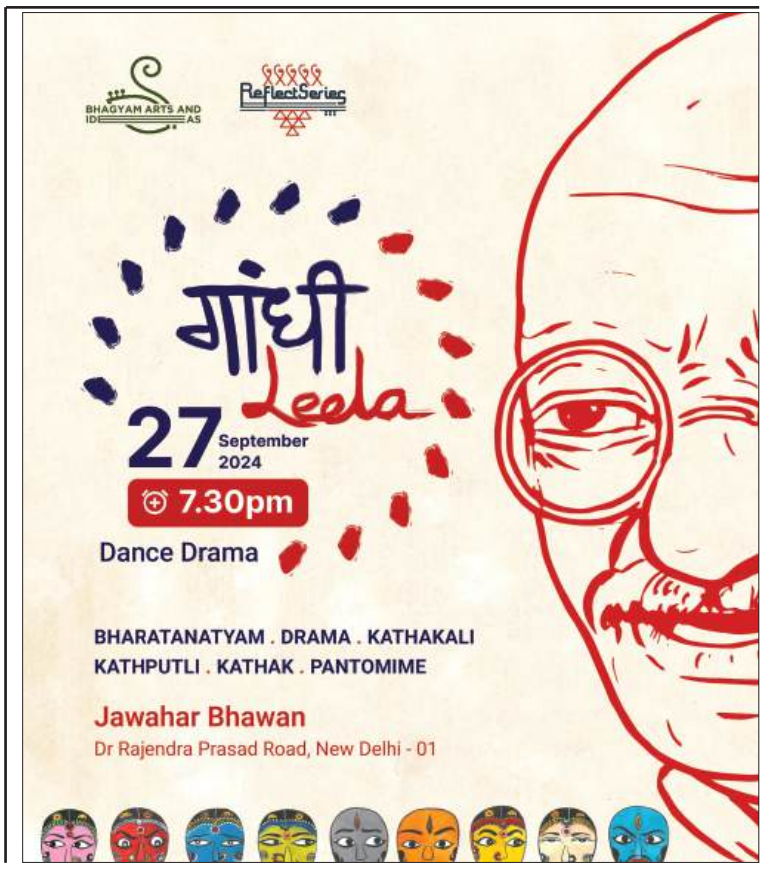

शिक्षक दिवस: शिक्षक व अभ्यर्थी सब सड़क पर

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। जहां पूरा देश आज शिक्षक दिवस मना रहा है वहीं प्रदेश सरकार के अधिकारियों की लापरवाही की वजह से उत्तर प्रदेश के शिक्षक अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे हैं, चाहे वह शिक्षक मित्र हों या मदरसा शिक्षक। 69000 शिक्षक अभ्यर्थी तो रोज-रोज किसी न किसी मंत्री के आवास के बाहर बैठ रहे हैं। इसी कड़ी में आज कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के घर के बाहर प्रदर्शन किया। हालांकि मंत्रीजी घर से निकलकर अभ्यर्थियों से मिले और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। अब देखना है कि मंत्री के ये आश्वासन कब धरातल पर आता है। फोटो: सुमित कुमार

शिक्षक मित्र

मदरसा शिक्षक

शिक्षक अभ्यर्थी

हरियाणा में विस चुनाव से पहले भाजपा को झटका

» सांसद नवीन जिंदल की मां की बगावत

» रतिया से विधायक लक्ष्मण नापा ने पार्टी से दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा को झटका लगा है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से टिकट वितरण के साथ ही पार्टी में बगावत तेज हो गई है। इस कड़ी में भाजपा से सांसद नवीन जिंदल की मां और पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल ने भाजपा के टिकट न मिलने के बाद बगावती रुख अपना लिया है। सावित्री जिंदल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मैं तो चुनाव लड़ूंगी। इस बयान से राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है।

उधर रतिया से विधायक लक्ष्मण नापा ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। आज तीन बजे वो कांग्रेस में शामिल होने जा रहे हैं. बताया जा रहा है कि उन्होंने टिकट नहीं मिलने की वजह से पार्टी का साथ छोड़ा है. दरअसल इस बार भाजपा ने इस बार रतिया सीट से सुनीता दुग्गल को टिकट दिया है. इससे पहले भी भाजपा के एक और वरिष्ठ नेता शमशेर गिल ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ दी थी। भाजपा ने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए रतिया विधानसभा क्षेत्र से सिरसा की पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को मैदान में उतारा है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए बुधवार को 67 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी।

बिजली मंत्री रणजीत का इस्तीफा

हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत चौटाला ने भी भाजपा के खिलाफ बगावती सुर अपनाए हैं। उन्होंने कैबिनेट मंत्री का पद छोड़ दिया है। रानियां सीट से टिकट न मिलने के बाद चौटाला ने यह कदम उठाया है। उधर बिजली मंत्री का यह फैसला भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वह एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नेता हैं।

टिकट मिलने की आहट पर पहले से ही शुरू हो गया था विरोध

कुछ दिनों से सुनीता दुग्गल रतिया क्षेत्र में सक्रिय हो गई थी। कार्यकर्ताओं को दुग्गल को टिकट मिलने की आहट होने पर पार्टी में विरोध के स्वर पहले से ही उठने लगे थे। बाकायदा कार्यकर्ताओं की ओर से प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखकर स्थानीय उम्मीदवार को ही टिकट देने की मांग की गई थी। कार्यकर्ताओं ने मौजूदा विधायक लक्ष्मण नापा, जिला अध्यक्ष बलदेव ग्रोहा और मुख्तयार बाजीगर में से किसी एक को टिकट देने की मांग की थी। कई गांवों के सरपंचों से भी लिखवाया गया है। मगर इसके बावजूद हाईकमान ने सुनीता दुग्गल को टिकट थमा दी है।

लक्ष्मण कांग्रेस ज्वाइन करेंगे भाजपा से इस्तीफा देने के बाद लक्ष्मण नापा के कांग्रेस ज्वाइन करने की संभावना है। नापा से जुड़े लोगों के अनुसार वीरवार को दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस का दामन थामेंगे।

यूपी के मंत्री कपिल देव अग्रवाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

» आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुजफ्फरनगर की विशेष एमपी/एमएलए अदालत ने आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में उत्तर प्रदेश के कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है।

अग्रवाल के वकील विनोद कुमार गुप्ता ने बृहस्पतिवार को पीटीआई— को बताया कि विशेष एमपी/एमएलए अदालत के न्यायाधीश देवेन्द्र सिंह फौजदार ने आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े एक मामले में अदालत में पेश नहीं होने पर बुधवार शाम मंत्री कपिल देव अग्रवाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करते हुए उन्हें 13 सितंबर को अदालत में पेश होने के

आदेश दिये हैं। गुप्ता ने बताया कि अग्रवाल 13 सितंबर को अदालत में पेश होंगे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पुलिस ने कपिल देव अग्रवाल सहित कई लोगों के खिलाफ आदर्श आचार संहिता, आपदा प्रबंधन अधिनियम और महामारी रोग अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप में वर्ष 2022 में मामला दर्ज किया था। उन पर 11 जनवरी 2022 को मुजफ्फरनगर के रामलीला टीला इलाके में बिना अनुमति के चुनावी सभा आयोजित करने का आरोप है।

पुलिस के साथ गोलीबारी में छह माओवादी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में बृहस्पतिवार को पुलिस और प्रतिबंधित माओवादी के सदस्यों के बीच गोलीबारी में माओवादी संगठन के छह कैडरों को मार गिराया गया। पुलिस ने बताया कि घटना जिले के वन क्षेत्र में हुई। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

गोलीबारी में माओवादी संगठन के छह कैडरों को मार गिराया गया। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में गुरुवार सुबह पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें 6 माओवादी मारे गए और दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। तेलंगाना के भद्राद्रि कोठागुडेम जिला अधीक्षक रोहित राज ने पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ की जानकारी दी।

स्टालिन की वीडियो को राहुल ने किया पोस्ट

» अमेरिका की सड़कों पर साइकिल चलाते दिखे तमिलनाडु के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच सोशल मीडिया पर भाईचारे वाली नोकझोंक देखने को मिली, जब पूर्व मुख्यमंत्री ने संयुक्त राज्य अमेरिका की सड़कों पर साइकिल चलाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।

स्टालिन, जो वर्तमान में तमिलनाडु के लिए निवेश की तलाश में अमेरिका में हैं, ने शिकागो के खूबसूरत तटरेखा के किनारे साइकिल चलाते हुए खुद का एक वीडियो क्लिप पोस्ट किया। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) प्रमुख के कैप्शन, शाम की शांति नए सपनों के लिए मंच तैयार करती है के साथ शांत वातावरण ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

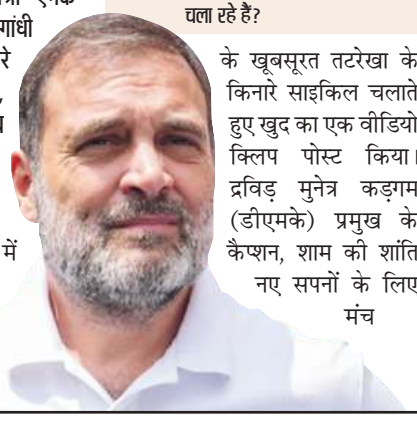

'हम चेन्नई में एक साथ साइकिल कब चला रहे'

रायबरेली के सांसद राहुल गांधी ने स्टालिन के वीडियो को फिर से पोस्ट किया और पूछा, भाई, हम चेन्नई में एक साथ साइकिल कब चला रहे हैं?

एमके स्टालिन और राहुल गांधी के बीच का रिश्ता इस साल की शुरुआत में अप्रैल में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान उजागर हुआ था, जब कांग्रेस नेता तमिलनाडु के सिंगनल्लूर में एक मिठाई की दुकान पर प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय व्यंजन मैसूर पाक का एक डिब्बा खरीदने के लिए रुके थे।

बाद में जून में, स्टालिन ने गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, जिस पर कांग्रेस नेता ने हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया दी। मजाकिया लहजे में गांधी ने चुटकी लेते हुए कहा, मैं आज भी मिठाई के अपने डिब्बे का इंतजार कर रहा हूं।

आप जब भी फ्री हों तब चेन्नई आएं : स्टालिन

मुख्यमंत्री ने लिखा, प्रिय भाई जब भी आप फ्री हों, तो साथ में चेन्नई की सैर करें और घूमें! मेरी तरफ से मिठाई का एक डिब्बा अभी भी बाकी है। साइकिल चलाने के बाद, आइए मेरे घर पर मिठाई के साथ स्वादिष्ट दक्षिण भारतीय लंच का आनंद लें।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।